



राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, म.प्र.
(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार)



पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन
पर्यावरण परिसर, ई-5, अरेरा कॉलोनी
भोपाल-462016 (म.प्र.)

वेबसाइट-<http://www.mpseiaa.nic.in>

दूरभाषन. - 0755-2466970, 2466859

फैक्सन. - 0755-2462136

No: 232/ SEIAA/2025

Date: 23/05/2025

प्रति,

M/s Gurudeo Quartz,
Partner Shri Ambar Gurudeo,
MIG Duplex No. 1, 2nd Floor, Hanthilal,
HB Colony, District-Jabalpur (MP)
E-mail - gurudeoquartzs@gmail.com

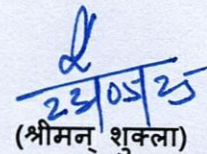
विषय :- Proposal No. SIA/MP/MIN/446048/2023- Case No 11036/23 Prior Environment Clearance for Gaurari Quartz Mine (opencast semi mechanied method) in an area of 3.20 ha., for production capacity of 65664 TPA, Khasra No. 216/2/1, 233/2, Village-Gaurari, Tehsil-Maharajpur, District Chhatarpur (MP) by M/s Gurudeo Quartz, Partner Shri Ambar Gurudeo, , MIG Duplex No. 1, 2nd Floor, Hanthilal, HB Colony, District-Jabalpur (MP),

विषयान्तर्गत प्रकरण में राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (SEAC) द्वारा 760वीं बैठक दिनांक 29.05.2024 में विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों (संलग्नक-ए) सहित पर्यावरण अनुमति प्रदान किये जाने की अनुशंसा कर प्रकरण दिनांक 02.06.2024 को राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण (SEIAA) को अग्रेषित किया गया। प्रश्नाधीन प्रकरण SEIAA की बैठक में विचारण नहीं होने के कारण 45 दिवस से अधिक की अवधि समाप्त हो गई है।

पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की ईआईए अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 के पैरा 8 की कंडिका (iii) इस प्रकार है - "In the event that the decision of the regulatory authority is not communicated to the applicant within the period specified in sub-paragraphs (i) or (ii) above, as applicable, the applicant may proceed as if the environment clearance sought for has been granted or denied by the regulatory authority in terms of the final recommendations of the Expert Appraisal Committee or State Level Expert Appraisal Committee concerned."

अतः ईआईए अधिसूचना के पैरा 8 की कंडिका (iii) के अनुसार उक्त प्रकरण में SEAC की 760वीं बैठक दिनांक 29.05.2024 में विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों (संलग्नक-ए) सहित पर्यावरण स्वीकृति हेतु की गई अनुशंसा को अंतिम निर्णय मानते हुए राज्य स्तरीय समाघात निर्धारण प्राधिकरण (SEIAA) द्वारा "Deemed Approval" माना जाकर पर्यावरण अनुमति दी जाती है। तदनुसार प्रकरण में ईआईए अधिसूचना के पैरा 8 की कंडिका (iii) के अनुसार आगामी आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करने हेतु आप स्वतंत्र हैं।

(प्रमुख सचिव, पर्यावरण विभाग द्वारा अनुमोदित)


(श्रीमन् शुक्ला)

कार्यपालन संचालक, एण्डो
एवं सदस्य सचिव, SEIAA

प्रतिलिपि:-

1. प्रमुख सचिव, म.प्र. शासन, पर्यावरण विभाग, मंत्रालय, भोपाल।
 2. संयुक्त सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड, नई दिल्ली - 110003।
 3. उप सचिव, मुख्य सचिव कार्यालय म.प्र. शासन, मंत्रालय भोपाल (म.प्र.)।
 4. अध्यक्ष, SEIAA, एप्को पर्यावरण परिसर भोपाल (म.प्र.)।
 5. अध्यक्ष SEAC, म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पर्यावरण परिसर, ई-5 अरेरा कॉलोनी भोपाल (म.प्र.)।
 6. सदस्य सचिव, SEAC एवं सदस्य सचिव, म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पर्यावरण परिसर, ई-5 अरेरा कॉलोनी भोपाल।
 7. कलेक्टर, जिला जबलपुर (म.प्र.)।
 8. वन मंडलाधिकारी, जिला जबलपुर (म.प्र.)।
 9. निदेशक, क्षेत्रीय कार्यालय, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, केन्द्रीय पर्यावरण भवन, लिंक रोड नं. 03, रवि शंकर नगर, भोपाल।
 10. संचालक, भौमिकी तथा खनिकर्म मध्यप्रदेश, 29-ए, खनिज भवन, अरेरा हिल्स, भोपाल - 462002।
 11. खनिज अधिकारी, जिला जबलपुर (म.प्र.)।
 12. संबंधित फाईल।
- की ओर सूचनार्थ।**

7

कार्यपालन संचालक, एप्को
एवं सदस्य सचिव, SEIAA

2

760राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 मई 2024

- प्रस्तावित खदान प्रकरण क्रमांक 8913/21 9251/22 एवं 8967/21 में ओवरलेप होना परिलक्षित है, अतः खदान क्षेत्र का डीजी.पी.एस. सर्वे कराकर सक्षम प्राधिकारी से प्रमाणित कर वास्तविक कार्डिनेट्स उपर्युक्त संख्या में प्रस्तुत करें।
- पर्यावरणीय संवेदनशीलता के मद्देनजर पर्यावरण सुरक्षा एवं प्रदूषण की रोकथाम हेतु समस्त तकनीकी पहलुओं का पर्यावरणीय पैरामीटर्स अनुसार आंकलन एवं अध्ययन कर साईट स्पेसीफिक ई.एम.पी प्रस्तुत करें।
- कलस्टर में सम्मिलित संचालित खदानों के कलस्टर का ई.एम.पी एवं एयर मॉडलिंग में कलस्टर में सम्मिलित सभी खदानों की वायु गुणवत्ता, एयर मॉडलिंग के सॉफ्टवेयर का पूर्ण विवरण तथा एयर मॉडलिंग इक्वेशन में उपयोग किये गये डेटा का पूर्ण विवरण भी प्रस्तुत करें।

आज दिनांक 29/05/24 को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध है, जिसमें परियोजना प्रस्तावक के पर्यावरणीय सलाहकार सुश्री रश्मि सारस्वत, ऑनलाईन मेसर्स जेनिथ इंवायरोमेंट कंसल्टेंसी, नोएड, उ.प्र. उपस्थित हुए।

प्रस्तुतीकरण के परियोजना प्रस्तावक के पर्यावरणीय सलाहकार सुश्री रश्मि सारस्वत, द्वारा अवगत कराया गया कि उनके द्वारा प्रश्नाधीन खदान प्रकरण क्रमांक 8913/21 के अन्य प्रकरणों/खदानों से ओवरलेप होने के कारण खदान क्षेत्र का डीजी.पी.एस. सर्वे करा लिया गया है। समिति ने पाया कि खदान क्षेत्र का डीजी.पी.एस. सर्वे संबंधित खनिज अधिकारी को प्रमाणित नहीं है। अतः चर्चा उपरान्त निर्देश दिये कि खदान क्षेत्र का डीजी.पी.एस. सर्वे को प्रमाणित कर प्रस्तुत करें। तदोपरान्त प्रकरण पर विचार किया जावेगा।

37. Case No 11036/23 Shri Ambar Gurudeo, Partner, M/s Gurudeo Quartz, MIG Duplex No. 1, 2nd Floor, Hanthilal, HB Colony, District-Jabalpur (MP), Prior Environment Clearance for Gaurari Quartz Mine in an area of 6.60 ha. (Dolomite-70050, OB-8162 TPA) (Khasra No. 216/2/1, 233/2), Village-Gaurari, Tehsil-Maharajpur, District-Chhatarpur (MP) [446048] (Query)

प्रस्तावित क्वार्टज खदान बी-2 श्रेणी के पर्यावरणीय स्वीकृति का है, जिसमें आज दिनांक 29/05/2024 को परियोजना प्रस्तावक मेसर्स गुरुदेव क्वार्टज पार्टनर अम्बर गुरुदेव एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री आशीष त्रिपाठी मेसर्स ए.जी.एस. इंवायरमेंटल सर्विसेस प्रा. लि, ऑनलाईन उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया।

एसईएसी की 734वीं बैठक दिनांक 01/04/2024

760राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 मई 2024

परिक्षण के उपरान्त समिति द्वारा परियोजना प्रस्तावक को निम्न बिन्दुओं पर जानकारी प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया :-

- प्रश्नाधीन खदान क्षेत्र में काफी संख्या में पेड दिख रहे हैं। अतः किसी विषय विशेषज्ञ से ट्री इन्वेट्री (10 सेमी से अधिक गोलाई के वृक्षों को शामिल करने हुये) झाड़ी प्रजाति के साथ, ऊँचाई एवं फोटोग्राफ सहित सम्पूर्ण विवरण के साथ प्रस्तुत की जाये।
- कार्बन फुटप्रिंट के प्रबंधन हेतु अन्य किसानों के खेतों में कार्बन संचयन हेतु देय राशि का प्रस्ताव ई.एम.पी. में शामिल किया जाये।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज		
परियोजना प्रस्तावक का नाम व पता	M/s Gurudeo Quartz Partner -Shri Ambar Gurudeo M.I.G. Duplex No.-1 2nd Floor, Hanthilal Housing Board Colony, Jabalpur (M.P.)		
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	216/2/1, 223/2 (निजी-नॉन फॉरेस्ट लैंड)		3.200 hectare.
स्थल	Village- Gaurari, Tehsil- Maharajpur, District-Chhatarpur (M.P)		
लीज स्वीकृति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला छतरपुर के पत्र क्रमांक 5010-11 दिनांक 26/04/2023 के द्वारा स्वीकृत ।		
पूर्व स्वीकृत माईनिंग प्लान का वर्ष एवं तत्समय में उत्पादित स्वीकृत क्षमता एवं मात्रा।	वर्ष- 11/09/2023, क्षमता-क्वार्टज-65,664 टन/वर्ष,		
स्वीकृत माईनिंग प्लान/डीएसआर अनुसार कोर्डिनेट्स मिलान की स्थिति	माईनिंग प्लान हाँ	डीएसआर हाँ	पुनरीक्षित अक्षांश/देशान्तर
ब्लास्टिंग/रॉक ब्रेकर	अनुमोदित खनन् योजना अनुसार ब्लास्टिंग प्रस्तावित है ।		
प्रकरण की स्थिति	नया प्रोजेक्ट ।		
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा क्वार्टज -65,664 टन/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन् योजना अनुसार 65,664 घनमीटर/वर्ष है।		
पर्यावरण सलाहकार	पर्यावरण सलाहकार – नीरज प्रजापती,		

760राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 29 मई 2024

या उनके अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा स्थल निरीक्षण	स्थल का नाम—गौरारी, दिनांक— 20/01/2024
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला छरतपुर के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 2902 दिनांक 26/10/2023 अनुसार 500 मीटर की परिधि में 03 अन्य खदानें संचालित/स्वीकृत है, इस प्रकार कुल रकबा 11.630 हे. होता है, अतः प्रकरण बी- 2 श्रेणी का है। एकल पत्र अनुसार जो 03 अन्य खदानें है कुल रकबा 8.430 हे. है। वे खदाने खनिज पत्थर से गिट्टी बनाने वाली हैं जबकि उक्त खदान क्वार्टज खनिज की है। इस तरह 8.430 हेक्टेयर की तीनों एवं 3.200 हेक्टेयर क्वार्टज खनिज की खदान जो की हेटरोजिनस मिनरल (असमान खनिज) हैं इस तरह आवेदित खदान बी- 2 श्रेणी में आती है।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला छरतपुर के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 2902 दिनांक 26/10/2023 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य/ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र स्थित नहीं है एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला छरतपुर के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 2902 दिनांक 26/10/2023 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/ संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/नदी/ तालाब/ बांध/स्टॉप डैम/नहर/ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता/नाला नहीं है।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत गौरारी जिला छतरपुर के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक 02 दिनांक 26/01/2022 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन कार्य से पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है।
प्रस्तावित स्थल पर वृक्षों की वर्तमान स्थिति	लीज क्षेत्र में कुल 115 पेड़ स्थित है। चूंकि ये खदान क्वार्टज की है। ये मिनरल रीफ में पाया जाता है। जिसकी चौड़ाई लगभग 30-35 मीटर हैं जिसकी लम्बाई लगभग 380 मीटर है। जिसके बिच में 35 पेड़ एवं झाड़ियाँ लगे हुये है। जो काटे जायेंगे जिसके एवज में परियोजन प्रस्तावक द्वारा 350 पौधे का वृक्षारोण करा दिया गया हैं जिसके जिओ टेग फोटो SEAC के प्रस्तुती करण के दौरान प्रस्तुत किये गये है।

760राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 मई 2024

केशर की स्थिति	आवेदित क्षेत्र में केशर प्रस्तावित नहीं है।
प्रस्तावित स्थल की गूगल इमेज अनुसार वर्तमान स्थिति	पश्चिम दिशा— तालाब लगभग 240 मीटर की दूरी पर स्थित हैं, खदान से 100 मीटर पूर्व में एवं 100 मीटर पश्चिम दिशा में जो हल्के नीले रंग के संरचनाए हैं। पर्यावरण सलहकार द्वारा बताया गया की स्थल निरीक्षण करते समय यह संरचना आधुनिक तरीके से खेती करने की संरचनाए हैं। जिसमे पॉलिथिन का प्रयोग करके भूमि से जल के वाष्पीकरण को रोका जा रहा हैं
सिया में ईसी हेतु प्रकरण प्रस्तुत करने का दिनांक	29 / 05 / 2024

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक—ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:—

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता क्वार्टज खदान —65,664 टन/वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कॅपीटल राशि रु. 12.81 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 1.38 लाख प्रति वर्ष।

EMP Table (Capital & Recurring Cost)

S.No.	Particulars	Capital Cost (in Rs)	Recurring Cost (in Rs)
A. FOR ENVIRONMENTAL PROTECTION			
1(a)	Water sprinkling through tanker sprinkling system both on haul road and transportation road.	71,550	-
1(b)	Water requirement- 1.59 KLD, Cost of water (@ 0.15 paisa/liter) Assuming 300 working days.		
2.	Approach Road Maintenance, Speed breakers, Sign Boards, Reflectors, Development of T-Point etc (1000 m in length × 6m in width)	1,50,000	20,000
3.	PLANTATION SCHEME		4,75,000 15,000
	a) Plantation within lease @ Rs. 200/plant.	1000 plants × 200 Rs=2,00,000/-	
	b) Plants to be distributed in nearby villagers : @ Rs. 50/plant.	2500 plants × 50 Rs=1,25,000/-	
	c) Plantation Along the Approach Road @ Rs.300/plant	500 plants × 300 Rs=1,50,000/-	

760राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 29 मई 2024

4	<ul style="list-style-type: none"> Garland Drain (1.5 m Wide & 2 m Deep & 955 m Long) Prosopis seeds will be sown along the excavated garland drain in the mine lease area. Settling Tank is of (4 m wide, 15m long & 2.5 m deep) . 	80,185	5,000
5	Wire fence (940 m) @200 rupees/meter.	1,88,000	5,000
6	Monitoring (AAQM, Noise & Water twice in a year) @ Rs. 40,000 for two locations/year.	-	40,000
7	Drinking Water Facility for labour and staff (one water cooler/30-50 labour @ Rs. 10,000/cooler).	10,000	2,000
8	Separate Toilets for Male and Female @15000× 2 and Rs. 3000/year for Maintenance.	30,000	3,000
9	Grazing Land development (Native palatable grass species Such as Dichanthium ,Puniya (Sehima nervosum), Themeda etc. will be planted for grassland/fodder development on Charnoi Land.	5,000	1,000
10	Regular Medical Check-up of workers @500/worker (twice in a year) (For 15 Labors -15 × 500 × 2)	-	15,000
11	First Aid Box & Fire fighting equipments @20000 × 1 & Rs. 2000/year for Maintenance.	20,000	2,000
12	PPEs for other mining operations @ Rs. 1500/worker. (For 15 workers - 15 × 1500)	22,500	2,000
13	Shelter rooms for labors (15*20 ft)=300 Square feet	1,00,000	5,000
14	Two dustbins & development of solid waste management system	5,000	2,000
15	Half yearly PUC certification for trucks @500/truck (1 Trucks × 500 × 2 times in a year)	-	1,000
16	Miscellaneous Expenses such as follows : <ol style="list-style-type: none"> One solar light, (@ Rs. 8000/light) Web site development & Maintenance 2 Web Camera, (per camera.@3500 rupees) Display Board at mine entrance. 	22,000	-
17	Providing 2 Gas cylinders under Ujjwala Yojana to Labours which results no fuel wood will be used as a source of energy by mineworkers. @ 3000 Rps /Connection.	6,000	-
18	For Carbon Emission containment (960 Plants x 100 Rs / Plant)	70800	
19	Training on organic manure manufacturing, production, use, marketing and promotion will be conducted in the Krishi Vigyan Kendra in 6 months.		20,000
	TOTAL	12,81,235 /-	1,38,000/-

CER Table

760राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 29 मई 2024

20. सी.ई.आर. मद में निम्नानुसार राशि रु. 1.70 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधियाँ	राशि (रु.में)
सी.ई.आर. मद से 1,70,000 की राशी पालक शिक्षक संघ समिति ग्राम गौरारी के शासकीय माध्यमिक शाला के खाते में शाला विकास कार्य हेतु जमा की जावेगी।	1,70,000 /—

21. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 10 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 4000 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	वृक्षारोपण हेतु प्रस्तावित स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में	चिरोल, नीम, जंगल जलेबी, करंज, अमलताश, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	1000
2	परिवहन मार्ग में (न्यूनतम ऊँचाई 1.5 मीटर ट्री-गार्ड के साथ)	करंज, कदम, चिरोल, जंगल जलेबी एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	500
3	ग्रामवासियों में वितरण हेतु	सीताफल, आँवला, अमरुद, मुनगा, पपीता, निंबू, आम, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	2500
योग			4000

उपरोक्तानुसार वृक्षारोपण प्रथम वर्ष में किया जाये एवं लीज अवधि तक उन पौधों का रख-रखाव / मृत पौधों का बदलाव खनन अवधि तक किया जाये । गारलेण्ड ड्रेन तथा सेटलिंग टैंक के बंड एवं अन्य उपलब्ध बीज रोपण हेतु उपर्युक्त स्थल जैसे झाड़ियों के बीच-बीच में आदि पर स्थानीय बीज बोवाई सीधे या सीडबाल बनाकर किया जावे तथा उनका संरक्षण किया जाना । परियोजना प्रस्तावक ग्रामीणों में पौधों का वितरण के समय गाँव का नाम, लाभांशित व्यक्ति का नाम एवं प्रजाति का विवरण देते हुए पर्यावरणीय स्वीकृति के पालन प्रतिवेदन में शामिल करेंगे ।

अनुशंसा— प्रस्तुतीकरण एवं समीक्षा के आधार पर उपरोक्त विशिष्ट शर्तों के साथ परियोजना को पर्यावरण स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा की जाती है।

38. Case No 10742/2023 Shri Rajendra Deshmukh, Lessee, R/o Sarafa Market, Sant Vinova Ward-4, Tehsil-Amla, District-Betul (MP)-460551, Prior Environment

764वी ए राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 05 जून 2024

Following standard conditions shall be applicable for the mining projects of minor mineral in addition to the specific conditions and cases appraised for grant of TOR:

Annexure- 'A'

Standard conditions applicable to Stone/Murram and Soil quarries:

1. Mining should be carried out as per the submitted land use plan and approved mine plan. The regulations of danger zone (500 meters) prescribed by Directorate General of Mines safety shall also be complied compulsorily and necessary measures should be taken to minimize the impact on environment.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars and fenced from all around the site. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded along with annual record of water consumed in sprinkling during Summer (February to May/June) and winter session (October to January) separately.
4. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
5. Mineral evacuation road shall be made pucca (WBM/black top) by PP.
6. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
7. Crusher with inbuilt APCD & water sprinkling system shall be installed minimum 100 meters away from the road and 500 meters away from the habitations only after the permissions of MP Pollution Control Board with atleast 04 meters high wind breaking wall of suitable material to avoid fugitive emissions.
8. Working height of the loading machines shall be compatible with bench configuration.
9. Slurry Mixed Explosive (SME) shall be used instead of solid cartridge.
10. The OB shall be reutilized for maintenance of road. PP shall bound to compliance the final closure plan as approved by the IBM.
11. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
12. Six monthly occupational health surveys of workers for Cardio-vascular & Pulmonary health, vital parameters as prescribed by concerned regulatory authority shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights.
13. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP and CER activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual Environmental Statement. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
14. To avoid vibration, no overcharging shall be carried out during blasting and muffle blasting shall be adopted. Blasting shall be carried out through certified blaster only and no explosive will be stored at mine site without permission from the competent authority.
15. Mine water should not be discharged from the lease and be used for sprinkling & plantations. For surface runoff and storm water garland drains and settling tanks (SS pattern) of suitable sizes shall be provided.
16. All garland drains shall be connected to settling tanks through settling pits and settled water shall be used for dust suppression, green belt development and beneficiation plant. Regular de-silting of drains and pits should be carried out.
17. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
18. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.

764वी ए राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 05 जून 2024

19. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area. PP shall take Socio-economic activities in the region through the 'Gram Panchayat'.
20. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
21. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
22. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
23. All the mines where production is > 50,000 cum/year, PP shall develop its own website to display various mining related activities proposed in EMP & CER along with budgetary allocations. All the six monthly progress report shall also be uploads on this website along with MoEF&CC & SEIAA, MP with relevant photographs of various activities such as garland drains, settling tanks, plantation, water sprinkling arrangements, transportation & haul road etc. PP or Mine Manager shall be made responsible for its maintenance & regular updation.
24. All the soil queries, the maximum permitted depth shall not exceed 02 meters below general ground level & other provisions laid down in MoEF&CC OM No. L-11011/47/2011-IA.II(M) dated 24/06/2013.
25. The mining lease holders shall after ceasing mining operation, undertake re-grassing the mining area and any other area which may have been disturbed due to their mining activities and restore the land to a condition which is fit for growth of fodder, flora , fauna etc. Moreover, a separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
26. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEF&CCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
27. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
28. Authorization (if required) under Hazardous and Other Wastes (Management and Transboundary Movement) Rules, 2016 should be obtained by the PP if required.
29. A display board (in hindi) with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
 - a. Lease owner's Name, Contact details etc.
 - b. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
 - c. Length, breadth, sanctioned depth of mine and mining time.
 - d. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
 - e. Method of mining (Mannual/Semi Mechanised) and Blasting or Non-blasting.
 - f. Plantation and CER activities.
30. Dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
31. Entire plantation proposed in barrier zone of lease area shall be carried out as per submitted plantation scheme and along the fencing seed sowing of Neem, Babool, Safed Castor etc shall also be carried out.
32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland

764वी ए राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 05 जून 2024

and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.

34. Before onset of monsoon season as per submitted plantation scheme fruit bearing species preferably of fodder / native shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on "Vayudoot app". Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Anganwadi premises.
35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
36. Activities proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.

Annexure- 'B'

Standard conditions applicable for the Sand Mine Quarries*

1. District Authority should annually record the deposition of sand in the lease area (at an interval of 100 meters for leases 10 ha or > 10.00 ha and at an interval of 50 meters for leases < 10 ha.) before monsoon & in the last week of September and maintain the records in RL (Reduce Level) Measurement Book. Accordingly authority shall allow lease holder to excavate only the replenished quantity of sand in the subsequent year.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
4. Only registered vehicles/tractor trolleys with GPS which are having the necessary registration and permission for the aforesaid purpose under the Motor Vehicle Act and also insurance coverage for the same shall alone be used for said purpose.
5. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
6. Mineral evacuation road shall be made Pucca (WBM/black top) by PP.
7. Sand and gravel shall not be extracted up to a distance of 1 kilometer (1Km) from major bridges and highways on both sides, or five times (5x) of the span (x) of a bridge/public civil structure (including water intake points) on up-stream side and ten times (10x) the span of such bridge on down-stream side, subjected to a minimum of 250 meters on the upstream side and 500 meters on the downstream side.
8. Mining depth should be restricted to 3 meters or water level, whichever is less and distance from the bank should be 1/4th or river width and should not be less than 7.5 meters. No in-stream mining is allowed. Established water conveyance channels should not be relocated, straightened, or modified.
9. Demarcation of mining area with pillars and geo-referencing should be done prior to the start of mining.
10. PP shall carry out independent environmental audit atleast once in a year by reputed third party entity and report of such audit be placed on public domain such audits be placed on public domain through website developed for public interface along with photographs of work done w.r.t. EMP as well as CER.
11. No Mining shall be carried out during Monsoon season.
12. The mining shall be carried out strictly as per the approved mine plan and in accordance with the Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016 and Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining, 2020 issued by the MoEF&CC ensuring that the annual replenishment of sand in the mining lease area is sufficient to sustain the mining operations at levels prescribed in the mining plan.
13. If the stream is dry, the excavation must not proceed beyond the lowest undisturbed elevation of the stream bottom, which is a function of local hydraulics, hydrology, and geomorphology.
14. After mining is complete, the edge of the pit should be graded to a 2.5:1 slope in the direction of the flow.